सही बातें
व्यवहार

आशीषानुकंपा

शताब्दी देशनाचार्य 108 श्री विशुद्धसागर जी मुनिराज

कृतिकार

श्रुतसंवेगी श्रमण आदित्यसागर जी मुनिराज

प्रकाशक

समर्पण समूह

जैनं वचनं सदा वंदे

आशीषानुकंपा

शताब्दी देशनाचार्य 108 श्री विशुद्धसागर जी मुनिराज

कृतिकार

श्रुतसंवेगी श्रमण आदित्यसागर जी मुनिराज

संपादन / सहयोग

श्रुतप्रिय श्रमण अप्रमितसागर जी मुनिराज
सहजानंदी श्रमण सहजसागर जी मुनिराज

कृति का नाम

सही बातें
व्यवहार

संस्करण

2023 : 1008 प्रतियाँ

प्राप्ति स्थान

भोपाल : 91790-50222
जबलपुर : 98276-07171
इन्दौर : 98260-10104
इन्दौर : 94253-16840
भीलवाड़ा : 63766-49881

आकल्पन एवं मुद्रणः
डीसेन्ट ग्राफिक्स, इंदौर
मो. 98260-14047

शुभाशीष...

वस्तु स्वभाव में परिणामी एवं अपरिणामी है। द्रव्य-दृष्टि से अपरिणामी व पर्याय दृष्टि से परिणामी, पर जो इस सत्य को नहीं जानता वह दूसरे के लिए बोलता है - अमुक व्यक्ति बदल गया, जबकि वह स्वयं भी बदला है। एक-ही समय में परिणाम व अपरिणाम धर्म विद्यमान रहता है, इस **सही बात** को जो जानता है, वह सत्यज्ञाता पर में दोषों का अन्वेषण नहीं करता है, अपितु वस्तु के वस्तुत्व को सम्यक् जानकर मध्यस्थ हो जाता है।

इसी भावना से ओत-प्रोत तत्त्वान्वेषी **श्रुतसंवेगी श्रमण आदित्यसागर जी ने ''सही बातें''** नामक कृति का सृजन कर वागीश्वरी के कोष को वर्धमान किया है। वे इसी प्रकार सम्यक् श्रुताभ्यास पूर्वक साहित्य-सृजन कर के संस्कृति का संवर्धन करें, यही शुभाशीष है।

ॐ नमः सिद्धेभ्यः

शताब्दी देशनाचार्य श्री 108 विशुद्धसागर जी मुनिराज

मेरी बात-सही बात

अनेकों चिंतकों ने अपने अभिनव, अभिजात और आत्मोन्मुखी चिंतन से इस भारतीय तत्त्वमनीषा के वाङ्मय को सुसंवर्धित किया है। वही चिंतन समीचीन-चिंतन कहलाता है, जो सिद्धांत, तर्क और पूर्वाचार्यों की कथनी से मेल खाता है।

हर व्यक्ति की बातें सही नहीं होती और हर व्यक्ति की बातें गलत भी नहीं होती, कई बार समझने का नज़रिया भी गलत होता है। इस कृति के सृजन का हेतु ऐसे ही कुछ गलत नज़रियों को सही करना है।

विश्ववंद्य प्रभु वर्धमानस्वामी के अहिंसामय सत्यार्थ सिद्धांत जन सामान्य तक पहुँचाने के लिये शब्द और भाषा दोनों ही जनपद संबंधी होना अनिवार्य है। इसी कारण से यह सृजन गुरुप्रसाद, आगमाध्ययन, स्वानुभव और स्वयुक्ति के साथ-साथ सुगम शब्द और भाषा से मैंने अभिसिंचित किया है।

आशा है लघुकृत्य के रूप में प्रस्तुत मेरी कुछ **सही बातें** चिरकाल से प्रचलित गलत बातों को चिरकाल तक सही रखने में सहायक बनेगी।

ॐ नमः सिद्धेभ्यः

श्रुतसंवेगी श्रमण आदित्यसागर जी मुनिराज

सही बातें
व्यवहार

कीमत
संपत्ति की नहीं है,
कीमत है
व्यवहार की,
संबंधों की,
और
आपसी प्रेम की,
इसलिये
हो सके तो संपत्ति के पीछे
व्यवहार,
संबंध,
और
प्रेम को नष्ट न करें...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
व्यवहार

वस्तु और व्यक्ति
अच्छे-बुरे नहीं होते हैं,
जैसा हम
उनके बारे में सोचते हैं
हमें वस्तु और व्यक्ति
वैसे ही दिखाई देते हैं,
इसलिये
वस्तु और व्यक्ति को नहीं बदलो,
बदलना है तो अपने
नज़रिये को,
व्यक्तित्व को बदलिये...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
व्यवहार

जैसा आचरण या व्यवहार
आप करोगे
आपके बच्चे अथवा आपसे छोटे
वैसा ही सीखेंगे,
इसलिये
आपका आचरण और व्यवहार
अन्य जीवों के
भविष्य को न बिगाड़े
इसका ध्यान रखें...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
व्यवहार

अपना हित
हर कोई चाहता है,
परन्तु
हितकारी कार्य
कोई नहीं करना चाहता,
अपना अहित
कोई भी नहीं चाहता,
परन्तु
अहितकारी कार्य
छोड़ना भी कोई नहीं चाहता;
अब आप ही बतायें
आपका हित हो कैसे?...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
व्यवहार

अपनी बुद्धि का प्रयोग
एक ही कार्य को करने की अपेक्षा
अन्य कार्यों में भी
करना चाहिये,
क्योंकि
एक ही कार्य में
प्रयोग की गई बुद्धि
सीमित और छोटी हो जाती है,
इसलिये
बुद्धि के विकास के लिये
भिन्न-भिन्न कार्यों को करें...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
व्यवहार

करो कुछ ऐसा
जो हो निराला,
जो हो अनुपम,
जो हो अद्‌भुत,
जियो जीवन ऐसा
जो हो स्वच्छ,
जो हो बेदाग,
जो हो आदर्श,
तुम चाहो तो
ऐसा कर जाओगे
दुनिया देखती रह जायेगी
तुम बहुत आगे निकल जाओगे...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
व्यवहार

जो भी दुःखी होता है
वह मोह के कारण ही
दुःखी होता है,
जो भी सुखी होता है
वह मोह के अभाव में ही
सुखी होता है,
सुखी-दुःखी होने का
यह सूत्र है,
आपको जो रुचे
वह करें...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
व्यवहार

हमें संसार में
बहुत से मूर्ख लोग मिलते हैं
जिन्हें हम
गलतियों का भंडार कहते हैं,
यथार्थ में
वे सब हमारे गुरु हैं,
जो-जो गलतियाँ
वे करते हैं
आप उन्हें न करें,
यह शिक्षा
वे आपको देते हैं,
इसलिये हो सके तो
गलत व्यक्तियों को देखकर
अपनी गलतियाँ दूर करें...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
व्यवहार

कार्य कभी
हमारी सोच से नहीं होते,
कार्य कभी
हमारे बोल से नहीं होते,
कार्य तो होते हैं
पुरुषार्थ और भवितव्यता से,
इसलिये
सोचो मत
बोलो मत
मात्र करो पुरुषार्थ...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
व्यवहार

जितना मान घटेगा
स्वभाव में मधुरता
उतनी बढ़ेगी ,
जितनी आकांक्षायें घटेंगी
जीवन में शांति
उतनी बढ़ेगी,
जितना मौन बढ़ेगा
वाणी में मधुरता
उतनी बढ़ेगी...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
व्यवहार

हम न देखें
दोष पर के,
देख सकें तो देखें
हम दोष निज के,
क्योंकि
पर की हज़ार गलतियाँ
देखना–सुधारना कठिन नहीं है,
निज की एक गलती को
देखना–सुधारना कठिन है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
व्यवहार

लोग अकसर
अपनी बात को
मनवाने के लिये
उसे बढ़ा चढ़ाकर कहते हैं,
ऐसा करने से
उन्हें लगता है कि
काम बन जायेगा,
लेकिन
होता उल्टा ही है,
इसलिये
काम की सिद्धि के लिये
सत्य का सहारा लें,
न कि शब्द जाल का...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
व्यवहार

जो लोग
दुनिया के लिये खराब हों
वे ही लोग
आपके लिये भी खराब हों
यह जरूरी नहीं है,
जो लोग
दुनिया के लिये अच्छे हों
वे ही लोग
आपके लिये भी अच्छे हों
यह जरूरी नहीं है;
फिर भी ऐसे लोगों से
अवश्य बचना चाहिये...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
व्यवहार

कभी भी
किसी भी कार्य की
देखा-सीखी नहीं करें,
कार्य वही करें
जो आपके
पद या शक्ति के अनुरूप हो,
क्योंकि
जो कार्य
एक के लिये करने योग्य है
वही दूसरे के लिये
घातक हो सकता है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
व्यवहार

पुष्प की पहचान होती है
महकने से,
भोजन की पहचान होती है
चखने से,
सोने की पहचान होती है
कसने से,
आदमी की पहचान होती है
बसने से ...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
व्यवहार

मंज़िल उन्हें ही
मिलती है
जो नहीं देखते
रास्ते के काँटों को,
समुंदर वे ही
पार कर पाते हैं
जो नहीं देखते
किनारों की दूरियों को,
जो देखते हैं
दूरियाँ किनारों की
वे अकसर
किनारों में ही डूब जाते हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
व्यवहार

हमारे जीवन में
दुःख या कष्टों के दिन
अवश्य आना चाहिये,
सुख के दिनों में
सब हमारे पास रहते हैं
और
हम सभी को
अपना मानते हैं,
परन्तु
जो दुःखों या कष्टों में साथ दे;
वास्तव में
वही सच्चा मित्र है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
व्यवहार

चाहे माता-पिता हों
भाई-बहन हों
मित्र हों
यहाँ तक कि
गुरु भी क्यों न हों,
अगर वे
गलत कार्य करने के लिये कहें
तो भी उन्हें कभी मत करना,
क्योंकि
या तो वे आपकी परीक्षा ले रहे हैं
अथवा
वे आपके हितैषी नहीं हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
व्यवहार

जो लोग
पुरस्कार और सम्मान प्राप्त करके
अहंकार में डूब जाते हैं,
वे लोग शीघ्र ही
असफलता में डूब जाते हैं,
क्योंकि अहंकार का वजन
इतना ज़्यादा होता है
जिसके कारण सभी गुण
डूबी हुई नौका के समान
नष्ट हो जाते हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
व्यवहार

सत्य बोलना सरल है
सत्य सुनना सरल नहीं है
ज़्यादा साहस
सत्य बोलने में नहीं लगता
साहस तो लगता है
सत्य सुनने में,
इसलिये
सत्य तो बोलो
पर सत्य को
सुनना भी सीखो...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
व्यवहार

जैसे आप
पैसे को कमाते भी हो
और
बचाते भी हो,
वैसे ही आप
पुण्य को कमाइये भी
और बचाइये भी,
क्योंकि
मुसीबत के समय
जैसे कमाया और बचाया
पैसा काम आता है;
वैसे ही कमाया और बचाया
पुण्य भी काम आयेगा...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
व्यवहार

एक बार
साँप विश्वास करने योग्य है,
परन्तु
दुष्ट–पुरुष
कभी भी विश्वास करने योग्य नहीं है,
क्योंकि
सर्प
बामी में जाते समय
सीधा हो जाता है;
परन्तु
दुष्ट–पुरुष
हर समय टेड़ा ही रहता है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
व्यवहार

बड़े बुजुर्गों की सलाह
हमें अवश्य लेना चाहिये,
क्योंकि
जितना हमने
सोचा नहीं है
उतना उन्होंने झेला है,
उनके मुख की झुरियाँ
अनुभव का खजाना है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
व्यवहार

किसी भी कार्य की सफलता
आपके पुण्य
और
पुरुषार्थ के साथ-साथ
आपके व्यवहार और स्वभाव पर भी
निर्भर करती है,
व्यवहार और स्वभाव
अच्छा नहीं हो
तो उसे सुधारें,
अगर अच्छा हो
तो उसे निखारें...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
व्यवहार

आपकी भाषा में
'आप कैसे हैं'
'ठीक है'
'धन्यवाद' जैसे
उन-उन शब्दों का प्रयोग होना चाहिये
जो आपकी भाषा को
विनम्र और मधुर बनाते हों,
क्योंकि
शब्दों के माध्यम से
पाषाण को
पिघलाया जा सकता है,
देश पर राज्य किया जा सकता है
फिर कठोर हृदय को पिघलाना
उस पर राज्य करना
कौन सी बड़ी बात है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
व्यवहार

किसी भी चीज़ की प्राप्ति के लिये
लालची न बनें,
अपितु
संयम धारण करें,
ध्यान रखें –
लालच के कारण
आई हुई वस्तु भी चली जाती है
और
संयम धारण करने से
गई हुई वस्तु भी मिल जाती है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
व्यवहार

जिनके परिणामों में
वासनाओं की
कषायों की
मिलावट हुआ करती है,
वे लोग
दिखते तो अच्छे हैं
परन्तु
अच्छे होते नहीं हैं;
ऐसे लोग
बगुले के समान होते हैं,
जो दिखते सफेद हैं;
परन्तु
होते काले हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
व्यवहार

जब हमारे परिणाम
अशुभ होते हैं
तब हमें
अनुकूल वचन या अनुकूल व्यक्ति भी
प्रतिकूल लगते हैं,
जब हमारे परिणाम
शुभ होते हैं
तब हमें
प्रतिकूल वचन या प्रतिकूल व्यक्ति भी
अनुकूल लगते हैं;
इसलिये
परिणामों को
शुभ रखने का पुरुषार्थ करें...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
व्यवहार

कुछ लोग
अपने सारे काम
भाग्य और भगवान के भरोसे
छोड़ देते हैं,
ऐसे लोग
असफल व्यक्तियों की
श्रेणी में आते हैं,
आप
भाग्य और भगवान पर
भरोसा अवश्य करिये;
लेकिन
पुरुषार्थ कभी मत छोड़िये...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
व्यवहार

अपने मुख से
किसी भी जीव की निंदा नहीं करें,
क्योंकि
निंदक की भी निंदा करने से
आपकी ही निंदा होती है,
इसलिये
निंदा की जगह
प्रशंसा को अपने जीवन का
अंग बनायें;
ध्यान रखें–
बुराइयाँ
छोटे लोगों को ही
दिखती हैं
अच्छे लोगों को तो
अच्छाई ही दिखती हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
व्यवहार

इस संसार में
सभी लोग अपना लाभ चाहते हैं
अपना अलाभ
कोई भी नहीं चाहता,
यहाँ तक कि
मंद बुद्धि भी लाभ के बिना
कोई कार्य नहीं करता,
इसलिये
कार्य के पूर्व
उसके लाभ को अवश्य देखें...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
व्यवहार

स्वभाव पर का
कटु क्यों न हो,
परन्तु
हमारा स्वभाव
मधुर ही होना चाहिये,
क्योंकि
पर का स्वभाव
पर की गति का हेतु है,
आपका स्वभाव
आपकी गति का हेतु है,
करना हो मधुर अपनी गति
तो स्वभाव को मधुर करो ...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
व्यवहार

अकसर यह जगत
वस्तु और व्यक्ति के सद्भाव में
उसकी कीमत नहीं करता
और
वस्तु और व्यक्ति के अभाव में
उसकी चाह करता है,
ठीक ही है...
दूरियाँ हमें बताती हैं
कि वस्तु और व्यक्ति की
हमारे जीवन में
कितनी महत्त्वपूर्णता है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
व्यवहार

इस दुनिया में
कुछ लोग सच्चे होते हैं
और
कुछ लोग अच्छे होते हैं,
जो लोग अच्छे होते हैं
जरूरी नहीं कि
वे सच्चे भी हों,
लेकिन
जो लोग सच्चे होते हैं
वे अच्छे भी होते हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
व्यवहार

दूसरों को
पीड़ा में देखकर
कभी भी हसना नहीं चाहिये,
अपितु
उनकी सहायता करनी चाहिये,
ध्यान रखें...
जब आप पीड़ा में होंगे
तब वे ही लोग
आपकी पीड़ा को
दूर करने आयेंगे...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
व्यवहार

जो बोले मीठा
परन्तु
विपरीत कार्य करे,
जो दुग्ध पीकर भी
सर्प की तरह
कुटिल भाव रखे,
जो दूसरों की
विभूतियों को देखकर भी
ईर्ष्या करे,
जो गुणवानों को देखकर
उनकी निंदा करे,
वही दुर्जन है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
व्यवहार

धोखा वे ही खाते हैं
जिन्हें अपने और पराये की
पहचाना नहीं होती,
जिन्हें आप अपना मानते हो
वे ही आपके शरीर में
आग लगाते हैं,
जिन्हें आप पराया मानते हो
वे आपको सहारा देते हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
व्यवहार

जब एक
पाषाण खण्ड सहन करता है
छैनी की चोट को
तब वह बन पाता है भगवान,
ठीक वैसे ही
जब एक आदमी सहन करता है
समय की चोट को
तब वह बन पाता है महान
ध्यान रखना–
जो सहता है
उसी का भविष्य उज्ज्वल रहता है ...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
व्यवहार

जो हमने कल किया था,
वो आज
हमारे साथ हो रहा है,
जो हम
दूसरों के साथ करते हैं,
वो ही हमारे साथ हो रहा है,
ध्यान रखें -
नेकी के बदले नेकी
और
धोखे के बदले धोखा मिलता है ...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
व्यवहार

किसी के भी बारे में
बुरा विचार नहीं करें,
क्योंकि
उसका बुरा हो न हो
आपका बुरा तो निश्चित है,
कहा भी है-
जो दूसरों के लिये
कुआँ खोदता है,
वही उसमें गिरता है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
व्यवहार

परिस्थितियाँ
कैसी भी हों
पर हौसला न खोना,
दूरियाँ
कितनी भी हो
पर यादें न खोना,
पुरुषार्थ करो
कुछ कर दिखाने का
और
इंतज़ार करो
समय बदल जाने का...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
व्यवहार

जो लोग मिल–जुलकर रहते हैं
वे लोग सुखी रहते हैं,
जो लोग बैर–बाँधकर रहते हैं
वे लोग दुःखी रहते हैं,
अब आप सोचिये
आपको कैसे रहना है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
व्यवहार

जीवन में
दो काम कभी मत करना,
पहला
खाली कभी मत बैठना,
दूसरा
अपनी इज़्जत कभी मत गिराना,
खाली रहने पर
आप अकेलापन महसूस करेंगे
और
इज़्जत गिर जाने पर
आपको जीवन भारभूत लगेगा...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
व्यवहार

हाज़िर ज़वाबी,
एक ऐसी कला है
जो हर किसी के पास नहीं होती,
हाज़िर ज़वाबी
आपके व्यक्ति को
भली प्रकार से प्रदर्शित करती है,
यह कला
जिनके भी पास होती है
उन्हें लोग
कभी भूल नहीं पाते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
व्यवहार

हर प्रश्न का उत्तर देना
जरूरी नहीं है,
कुछ प्रश्नों का उत्तर
समय पर छोड़ देना चाहिये,
कुछ प्रश्नों के उत्तर
देना ही नहीं चाहिये,
सुख-शांतिमय जीवन की
ये एक अद्‌भुत कला है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
व्यवहार

आप
जो कुछ सोचते हैं
वो सब हो जाये
यह जरूरी नहीं,
क्योंकि
अगर ऐसा होने लगे
तब फिर
न तो आप सुखी रहेंगे,
न ही कोई और;
यहाँ तक की
न आप जीवित बचेंगे
न ही दुनिया बचेगी...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
व्यवहार

मित्राता
अधिक लोगों से नहीं
गुणवान लोगों से करनी चाहिये
संख्या अधिक हो
और गुण हीन हों
तो आप भी,
हीन हो सकते हैं;
इसलिये
मित्रों की
संख्या से अधिक महत्त्वपूर्ण
उनके गुण होते हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
व्यवहार

शुरु-शुरु में
अपरिचित से भय लगता है,
परिचय हो जाने पर
भय समाप्त हो जाता है
और
मित्राता प्रारम्भ हो जाती है,
इसलिये
भय हटाने के लिये
परिचय बढायें,
पर इतना परिचय न बढ़ायें
जिससे आपका ही जीवन
समाप्त हो जाये...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
व्यवहार

विदेश में जाकर बस जाना
कोई बड़ी बात नहीं है,
ये तो पक्षी भी कर लेते हैं,
किसी के दिल में बस जाना
बहुत बड़ी बात है;
ये कुछ लोग ही कर पाते हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
व्यवहार

कुछ लोग
दूसरों के लिये जीते हैं,
कुछ लोग अपने लिये,
लेकिन
जो अपने लिये जी रहे हैं
वे ही जिंदा हैं,
जो दूसरों के लिये जीते हैं
उन्हें मुर्दे के समान ही जानो ...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
व्यवहार

भोजन करना सरल है
उसे पचाना कठिन है,
वैसे ही
विश्वास बनाना सरल है
पर उसे बनाये रखना कठिन है,
विश्वास बनाने में पल भर लगता है
उसे बनाये रखने में जीवन लग जाता है;
इसलिये
मेरी सलाह है
पहले विश्वास बनाये रखना सीखिये
फिर विश्वास बनाइये ...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
व्यवहार

आपका जीवन
पापड़ जैसा नहीं
घी जैसा होना चाहिये,
क्योंकि
पापड़ बहुत
खाने पर भी
सार कुछ नहीं मिलता;
लेकिन
थोड़ा सा घी भी
सारभूत होता है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
व्यवहार

संबंध
तभी तक सुरक्षित रहते हैं,
जब तक आप
एक दूसरे के कामों में
दखल-अंदाज़ी नहीं करते,
क्योंकि
न तो आपके पूरे काम सही हैं
न ही आपके साथी के...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
व्यवहार

शुरु से अंत तक
एक जैसा जीवन जी पाना
बहुत श्रम साध्य है,
क्योंकि
ऐसे जीवन के लिये
इच्छाओं का दमन करना पड़ता है,
मगर जो लोग
ऐसा जीवन जी पाते हैं;
वे ही लोग
महान कहलाते हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
व्यवहार

आपके द्वारा
छोड़ी हुई वस्तु की कथा
कोई नहीं सुनना चाहता,
लोग सुनना चाहते हैं
आपके द्वारा प्राप्त अनुभव को;
क्योंकि
जो छूट चुका है
वह महत्त्वपूर्ण नहीं
जिससे प्राप्त किया है
वह महत्त्वपूर्ण है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
व्यवहार

परिस्थितियों को संभालने के लिये
शस्त्र का नहीं
अच्छे शब्दों का प्रयोग उचित है,
शस्त्र तोड़ने का काम करते हैं
और
अच्छे शब्द जोड़ने का;
यह मेरा सोच है
लेकिन मुझे पता है
आप चलेंगे अपनी सोच से ही...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
व्यवहार

जब तक जीवन में
सौभाग्य का उदय नहीं आता
तब तक जीवन
सूना-सूना सा लगता है,
क्योंकि
सौभाग्य अपने साथ
सुख,
खुशियाँ, आनंद, नाम
और न जाने
क्या-क्या नहीं लाता है,
सौभाग्य के आने पर
सब सूना-सूना नहीं
सोना-सोना हो जाता है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
व्यवहार

अकसर
छोटों को बड़ों से
कुछ अपेक्षायें अवश्य होती हैं,
किन्तु
वे भूल जाते हैं
कि बड़ों की भी कुछ अपेक्षायें
छोटों से होती हैं,
अगर आप
अपनी अपेक्षाओं की पूर्ति चाहते हैं
तो दूसरों की अपेक्षायें
पूरी करना भी सीखिये...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
व्यवहार

आपका जीवन
एक तमाशा है,
लोग इसे
तभी देखना पसंद करते हैं
जब उसमें
सत्य के साथ–साथ
सुंदरता भी हो;
क्योंकि
सत्य के अभाव में
सुंदर चीज़ भी
असुंदर ही लगती है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
व्यवहार

कई बार
उच्च पद प्राप्त होने पर
मन की शांति भंग हो जाती,
यहाँ तक कि
जीवन ही बरबाद हो जाता है,
इसलिये
उच्चपद को प्राप्त तो करें;
मगर
जिस पद से शांति भंग हो
उसे छोड़ दें...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
व्यवहार

किसी की भी
सूरत को देखकर
उससे दोस्ती न करें,
क्योंकि
सूरत अच्छी हो
और भाव खराब हों
तो आपके साथ गलत हो सकता है;
इसलिये
दोस्त की सूरत
अच्छी हो न हो
उसके भाव अच्छे होना चाहिये...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
व्यवहार

धन–संपत्ति कमाना
बड़ी बात नहीं है,
उस धन–संपत्ति का
सही उपयोग करना
बड़ी बात है,
लोग धन कमा तो लेते हैं
पर सही उपयोग के अभाव में
उसका दुरुपयोग हो जाता है;
इसलिये
कमाने के साथ–साथ
धन का सही उपयोग भी सीखिये...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
व्यवहार

आपके अच्छे वचन
अगर किसी के लिये
बुरे साबित हों,
तो वे अच्छे वचन भी
बुरे ही हैं
और
अगर आपके बुरे वचन
किसी के लिये अच्छे साबित हों ;
तो वे बुरे वचन भी अच्छे ही हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
व्यवहार

अपनी कला या विद्या को
प्रदर्शन करने का मौका
चाहे छोटा हो या फिर बड़ा
उसे कभी मत छोड़ना,
क्योंकि
छोटे-छोटे मौके ही
एक दिन आपको
बड़ा बना देते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
व्यवहार

जो लोग
बिना रुचि के भोजन करते हैं
उनका भोजन
मल तो बनता है,
परन्तु
तन पर नहीं लगता;
इसलिये
रुचिपूर्वक भोजन करें;
क्योंकि
जिसका मन प्रसन्न होता है
उसी के तन पर अन्न लगता है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
व्यवहार

आप स्वार्थी नहीं
निःस्वार्थी बनें,
क्योंकि
निःस्वार्थी और परोपकारी लोग ही
दूसरों का अच्छा सोच पाते हैं
अच्छा कर पाते हैं,
इसके विपरीत
स्वार्थी लोग तो
स्वार्थ की पूर्ति में लगे रहते हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
व्यवहार

आपके स्वभाव में
आपके व्यक्तित्व में
ऐसी मधुरता
ऐसा अनोखापन होना चाहिये,
जिसे लोग कभी न भूल सकें
और आप
जब भी किसी से मिलें
तो अपनी ऐसी कुछ यादें
अवश्य छोड़कर जायें
जिसे लोग कभी न भूल सकें...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
व्यवहार

जब कोई आपसे
लड़ने की फिराक में हो
तो आप उसे
ऐसा कोई भी मौका न दें
जिससे लड़ाई प्रारम्भ हो सके,
ऐसा करने से
उसकी मनोवांछा
पूर्ण नहीं हो पायेगी
और
आपके जीवन में
शांति बनी रहेगी...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
व्यवहार

आपकी बातें
इतनी नीतिपूर्ण हों,
आपका स्वभाव
इतना गंभीर हो
आपकी क्रियायें
इतनी अनुशासित हो,
आपका भोजन
इतना शालीन हो,
कि लोग आपको याद भी करें
और
आप उनके आदर्श भी बनें ...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
व्यवहार

जो लोग
आपसे कभी बात न करते हों
दूर-दूर रहते हों,
वो लोग अगर आपसे
मित्राता करना चाहते हों,
तो उनसे दूरी बनाये रखें,
उनकी निकटता
आपके जीवन में
अशांति और संकट का हेतु
बन सकती है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
व्यवहार

किसी भी काम को
करने के पूर्व
अपने पुण्य को,
साहस को,
आत्म-विश्वास को,
अपने तजुरबे को बढायें,
और
चिंता को घटायें
निश्चित मानिये
फिर आप कभी भी
असफल नहीं हो पायेंगे...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
व्यवहार

किसी की प्रशंसा में
दो शब्द लिखना हो
या फिर कहना हो
तो पहले
उसके व्यक्तित्व पर विचार करें,
अगर व्यक्तित्व सही हो
तो अवश्य लिखें
अन्यथा टाल दें;
क्योंकि
गलत व्यक्ति की प्रशंसा से
आप अप्रशंसनीय हो सकते हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
व्यवहार

एकांत में बैठा व्यक्ति
अगर अध्ययन रहित है ,
तो वह निश्चित ही
गलत विचारों का शिकार हो जायेगा,
क्योंकि
भावों की गति
पानी की तरह होती है;
वे शीघ्र ही
नीचे गमन कर जाते हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
व्यवहार

कुछ लोग
ज़्यादा अच्छा करने के चक्कर में
अपने काम को बिगाड़ लेते हैं,
कुछ लोग
अच्छे कामों को टालने के कारण
उसे बिगाड़ लेते हैं;
दोनों ही लोग
अपना जीवन और समय
नष्ट कर देते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
व्यवहार

किसी के
अशुभ शब्दों का
जवाब देने की जगह
उससे मौन लेना श्रेष्ठ है,
क्योंकि
उसके शब्द और भाव
दोनों खराब हैं
और
आपके शब्द और भाव
दोनों ही अच्छे हैं;
पर जवाब देते ही
आपके भी शब्द और भाव
खराब हो जायेंगे...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
व्यवहार

बड़ी-बड़ी बातें करना
सरल है
पर
छोटी-छोटी बातें समझना
कठिन है,
बड़ी-बड़ी बातें
कई लोग कर लेते हैं;
पर
छोटी-छोटी बातें
हर कोई नहीं समझ पाता है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
व्यवहार

कुछ लोग
दूसरों के दुःखों को
दूर करने के लिये
अपना समय या अपना धन देते हैं,
ऐसे लोग
कभी दुःखी नहीं रहते हैं,
जो दूसरों का तिलक करते हैं
उनके हाथ स्वयं ही रंग जाते हैं,
वैसे भी
खुशियाँ बाँटने वालों के घर
दुःखों के लिये
जगह ही कहाँ है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
व्यवहार

अपने व्यक्तित्व और
अपने काम से
दूसरों को प्रभावित करना,
आकर्षित करना
अथवा
आनंदित करना
कला है
और
स्वयं को प्रभावित करना
आकर्षित करना
अथवा
आनंदित करना
महान कला...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
व्यवहार

थोड़ा बोलें
पर अच्छा बोलें,
जो लोग ज़्यादा बोलते हैं
पर अच्छा नहीं बोलते
उन्हें कोई नहीं चाहता,
परन्तु
जो लोग कम बोलते हैं
पर अच्छा बोलते हैं;
उन्हें दुनिया चाहती है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
व्यवहार

भले ही आप कम बोलें
पर अच्छा बोलें,
भले ही आप कम काम करें
पर अच्छा करें,
भले ही आप कम देखें
पर अच्छा देखें,
भले ही आप कम खायें
पर अच्छा खायें,
ध्यान रखें –
आपके जीवन में
थोड़ी सी सही
अच्छी चीज़ों की ही
प्रधानता होनी चाहिये...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
व्यवहार

जीवन में आये हुये
किसी भी प्रस्ताव को
तुरन्त मना न करें,
पहले उस पर
सोचें–विचारें
अगर वह
आपकी गरिमा के अनुरूप न हो
तो उसे न करें;
अगर अनुरूप हो
तो उसे न छोड़ें...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
व्यवहार

किसी दुःखी को देखकर
अगर आपको
दया न आती हो,
किसी मित्र को देखकर
अगर आपको
खुशी न होती हो,
किसी अपने को देखकर
आत्मीयता न आती हो
तो समझ लेना
आप पत्थर दिल हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
व्यवहार

जो लोग
अधिक बीमार पड़ते हैं
उन्हें रोगों को
मेहमान मानकर जीना चाहिये,
जैसे मेहमान की
अधिक खातिरदारी से
वह अधिक दिन तक
रुकना पसंद करेगा,
वैसे ही रोगों की ज़्यादा देखभाल से
वह भी अधिक दिन तक
रुकना पसंद करेगा,
मेहमान की चिंता नहीं करने से
वह स्वयं चला जाता है
वैसे ही
रोगों की चिंता मत करो
वे स्वयं चले जायेंगे...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
व्यवहार

लोगों के बारे में मत सोचिये
न ही
उनके कहने पर रोइये,
दुनिया न किसी को
खुश देख पायी है
न ही देख पायेगी,
अगर आपका काम सही है
या
आपके संबंध सही हैं
तो दुनिया की परवाह मत कीजिये,
आप तो अपने काम में
मग्न रहिये;
दुनिया न बदली है
न ही बदलेगी...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
व्यवहार

आप जो भी करें,
जो भी लिखें,
जैसा भी जीवन जियें,
वह कुछ ऐसा होना चाहिये कि
लोग आपके जाने के बाद भी
उसे न भूल पायें
और
आप अमर हो जायें...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
व्यवहार

किसी के मान को तोड़ने के लिये,
उससे ज़्यादा बातें न करें
और
उसे उससे बड़ों के बीच ले जायें,
वह अपने आप
मान रहित हो जायेगा...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
व्यवहार

बिना परिश्रम के
कुछ भी नहीं मिलता
चाहे चुटकी भर नमक हो
या मन भर सोना,
इसलिये
परिश्रम कभी न छोड़ें
और
मात्र भाग्य भरोसे भी न बैठें...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
व्यवहार

किसी को भी
नीचा न दिखायें,
क्योंकि
नीचा दिखाने से
कोई नीचा नहीं होता,
नीचा तो व्यक्ति
अपनी प्रवृत्ति
और विचारों से होता है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
व्यवहार

किसी भी प्रश्न का जवाब
भले ही विलंब से दो,
पर वह
सटीक और तार्किक होना चाहिये;
क्योंकि
आपको उत्तर मात्र नहीं देना है
प्रश्न करनेवाले को
संतुष्ट भी करना है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
व्यवहार

किसी भी
कार्य के प्रारंभ में
हो सकता है
आपको असफलता देखना पड़े
पर आप दुःखी मत होना,
आप यह सोचिये–
दुःख पहले आ रहे हैं,
अतः
कार्य प्रगति पर रखिये
सुख भी जल्दी मिलेगा...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
व्यवहार

आप
अपने धन
और
अपनी विद्या का प्रयोग
बुद्धि के साथ–साथ
उदारता से भी करें,
बिना उदारता के
आपकी विद्या और धन
सब कुछ मिट्टी के समान है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर